दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

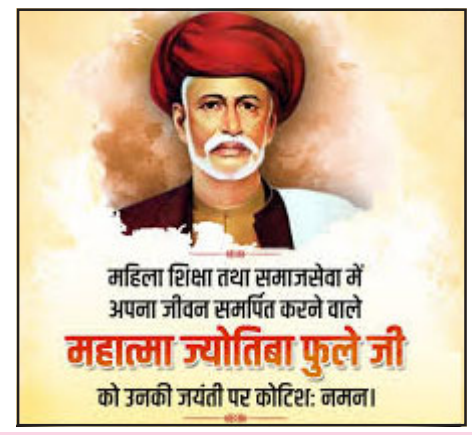

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-२५१ वा शुक्रवार ११ एप्रिल २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

ॲड. उज्ज्वल निकमने कोर्ट में पेश किया मारपीट का वीडियो, वाल्मीकि कराड की संपत्ति जप्त करने के लिए अर्ज दाखिल

ॲड. विकास खाडेने वाल्मीकि कराड को निर्दोष बताते हुए कोर्ट से रिहाई की मांग की

बीड़ । प्रतिनिधि

मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या प्रकरण की सुनवाई गुरुवार (१० अप्रैल) को बीड़ जिला सत्र न्यायालय में विशेष मकोका कोर्ट में संपन्न हुई। इस सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ॲड. उज्ज्वल निकम ने बताया कि आरोपियों ने ही संतोष देशमुख की पिटाई का वीडियो रिकॉर्ड किया था। उन्होंने यह वीडियो कोर्ट में सबूत के तौर पर पेश करते हुए इसकी गोपनीयता बनाए रखने की मांग की। साथ ही आरोपी वाल्मीकि कराड की स्थावर और चल संपत्ति जप्त करने के लिए कोर्ट में अर्ज दाखिल किया।

दूसरी ओर, वाल्मीकि कराड के वकील ॲड. विकास खाडे ने कोर्ट में युक्ति-वाद करते हुए कहा कि वाल्मीकि कराड निर्दोष हैं और उनका इस प्रकरण से कोई संबंध नहीं है। इसलिए उन्हें इस मामले से मुक्त किया जाए, ऐसा आवेदन कोर्ट में दिया गया।

गुरुवार को हुई सुनवाई में आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोर्ट में पेश किया गया। अब इस मामले की अगली सुनवाई २४ अप्रैल को होगी।

उल्लेखनीय है कि चार महीने पहले बीड़ जिले के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का अपहरण कर उनकी बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस मामले की जांच के दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं।

सरकारी वकील उज्ज्वल निकम ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि आरोपी के वकील ने जो दस्तावेज मांगे थे, वह कोर्ट में पेश कर दिए गए हैं। फॉरेंसिक लैब से आए हुए सबूतों की जांच कर अगली सुनवाई में आरोपी के वकील को दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि वाल्मीकि कराड ने डिस्चार्ज एप्लीकेशन दाखिल कर कोर्ट से अपनी रिहाई की मांग की है। इस एप्लीकेशन में कहा गया है कि वह इस अपराध में शामिल नहीं हैं। सरकारी वकील उज्ज्वल निकम ने बताया कि वाल्मीकि कराड की चल और अचल संपत्ति की जप्ती को लेकर कोर्ट में विधिवत सुनवाई होगी। इस मामले में सीआईडी विभाग की ओर से वाल्मीकि कराड की संपत्ति की जांच की जा रही है।

निकम ने बताया कि कोर्ट में पेश किया गया मारपीट का वीडियो खुद आरोपियों ने रिकॉर्ड किया था। इस वीडियो को सार्वजनिक न किया जाए, ताकि कानून-व्यवस्था की स्थिति न बिगड़े, ऐसी अपील कोर्ट से की गई है। अगली सुनवाई २४ अप्रैल को होगी।

ब्लैकमेलिंग से तंग आकर महिला मजदूर ने की आत्महत्या की कोशिश

आरोपी ने पैसे की बकाया मजदूरी देने के बदले बनाए संबंध, अश्लील फोटो वायरल कर दी धमकी

दिंद्रुड (संवाददाता)

मजलगांव तहसील के दिंद्रुड पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव में दो से तीन वर्षों से एक महिला मजदूर के साथ अत्याचार और ब्लैकमेलिंग की घटना सामने आई है। आरोपी मुकादम (ठेकेदार) अमोल श्रीमंत शिनगारे ने महिला को धमकाते हुए कहा था कि बची हुई मजदूरी चाहिए तो मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाओ, अन्यथा तुम्हारे पति की हत्या कर दूंगा। इतना ही नहीं, महिला के अश्लील फोटो वायरल कर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

इस प्रताड़ना से तंग आकर पीड़ित महिला ने मंगलवार सुबह जहर पीकर आत्महत्या की कोशिश की। महिला का इलाज माजलगांव के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

पीड़ित महिला द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार, वह और उसका पति गन्ना कटाई मजदूरी का काम करते थे। आरोपी अमोल श्रीमंत शिनगारे के ट्रैक्टर पर वह काम करती थी। अमोल शिनगारे के पास महिला की दो लाख रुपये की मजदूरी बकाया थी। पैसे मांगने पर आरोपी ने महिला से शारीरिक संबंध बनाने की जबरदस्ती की और अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी।

पिछले सात महीनों से महिला आरोपी से दूरी बना रही थी, जिससे नाराज होकर आरोपी ने महिला के आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए।

इस घटना के बाद महिला मानसिक और शारीरिक रूप से तंग आ चुकी थी, जिससे मंगलवार सुबह उसने जहर पीकर आत्महत्या का प्रयास किया।

गुरुवार को पीड़ित महिला की शिकायत पर दिंद्रुड पुलिस ने आरोपी अमोल श्रीमंत शिनगारे के खिलाफ बलात्कार और अनुसूचित जाति व जनजाति अत्याचार प्रतिबंधक कानून के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी फरार है और दिंद्रुड पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

आरोग्य इमारतों के लिए २२ करोड़ रुपये की निधि मंजूर-सांसद बजरंग सोनवणे

बीड़ जिले में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा को मिलेगी मजबूती

बीड़ (प्रतिनिधि)

बीड़ लोकसभा क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो, इस उद्देश्य से प्राथमिक आरोग्य केंद्र, उपकेंद्र तथा हेल्थ यूनिट के लिए मजबूत और स्वतंत्र इमारतों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान अंतर्गत १५वें वित्त आयोग से बीड़ जिले के प्राथमिक आरोग्य केंद्रों व उपकेंद्रों को सशक्त बनाने के लिए २२ करोड़ ४० लाख रुपये की निधि मंजूर की गई है।

इस निधि को मंजूर कराने में सांसद बजरंग सोनवणे ने विशेष प्रयास किए हैं। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के आरोग्य केंद्रों और उपकेंद्रों के लिए यह निधि वितरित की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार -

केज विधानसभा क्षेत्र को २ करोड़ ८३ लाख रुपये, बीड़ विधानसभा क्षेत्र को २ करोड़ ९१ लाख रुपये, माजलगांव विधानसभा क्षेत्र को २ करोड़ ३३ लाख रुपये, आष्टी विधानसभा क्षेत्र को १० करोड़ ८२ लाख रुपये, परळी विधानसभा क्षेत्र को १ करोड़ १७ लाख रुपये, गेवराई विधानसभा क्षेत्र को २ करोड़ ३३ लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। सांसद बजरंग सोनवणे ने जानकारी दी कि इस निधि से प्रस्तावित सभी कार्य समय-सीमा के भीतर और निर्धारित गुणवत्ता के अनुसार पूरे किए जाएंगे।

इस निधि के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवा और अधिक मजबूत होगी। सांसद सोनवणे ने लोकसभा चुनाव के बाद जिले के अस्पतालों की समीक्षा कर स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया था।इसके साथ ही आष्टी तालुका के सुलेमान देवळा गांव के प्राथमिक आरोग्य केंद्र का दौरा कर वहां की समस्याएं ध्यान में लेकर जिले के अन्य प्राथमिक आरोग्य केंद्रों की इमारतों के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए थे।

अब इस प्रयास को सफलता मिली है और जिले के ३३ स्वास्थ्य उपकेंद्रों को नई इमारतें मिलने जा रही हैं। इससे ग्रामीण नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

'फुले' फिल्म पर आपत्ति से सेंसर बोर्ड की मानसिकता उजागर-जयंतराव पाटील

कश्मीर फाइल्स, केरल फाइल्स पर आपत्ति नहीं, लेकिन 'फुले' फिल्म पर सवाल क्यों?

मुंबई । विशेष प्रतिनिधि

पिछले कुछ दिनों से किसी न किसी कारण से सेंसर बोर्ड विवादों में घिरा हुआ है। इसी कड़ी में अब कुछ संगठनों द्वारा आपत्ति दर्ज कराने के बाद 'फुले' फिल्म के कुछ दृश्यों पर सेंसर बोर्ड ने आपत्ति जताई है। इस पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रदेशाध्यक्ष जयंतराव पाटील ने नाराजगी व्यक्त की है।

जयंतराव पाटील ने 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर सेंसर बोर्ड की नीति की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने लिखा कि कश्मीर फाइल्स और केरल फाइल्स जैसी प्रोपेगंडा आधारित फिल्मों पर सेंसर बोर्ड को कोई आपत्ति नहीं होती, लेकिन 'फुले' जैसे सामाजिक संदेश देने वाले फिल्म पर आपत्ति जताई जा रही है।

उन्होंने आगे लिखा कि पहले 'हू इज नामदेव ढसाळ?' ऐसा सवाल उठाकर सेंसर बोर्ड में कितने विद्वान लोग बैठे हैं इसकी कल्पना हो गई थी। अब 'फुले' फिल्म पर आपत्ति के जरिए सेंसर बोर्ड की मानसिकता पूरी तरह सामने आ गई है।

जयंतराव पाटील ने इस निर्णय की कड़ी निंदा करते हुए इसे विचारों की स्वतंत्रता पर हमला बताया है।

एसटी महामंडल के अध्यक्ष पद पर प्रताप सरनाईक की नियुक्ति

मुंबई । विशेष प्रतिनिधि

महाराष्ट्र की महायुती सरकार में भाजपा और एकनाथ शिंदे गुट के आपसी विवादों के कारण चर्चा में रहे परिवहन विभाग के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी आखिरकार परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को सौंपी गई है। वे शनिवार सुबह ११ बजे अपने पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे।

शनिवार सुबह ११ बजे पदभार ग्रहण करेंगे

नए मंत्रिमंडल के अस्तित्व में आने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यह पद परिवहन विभाग के सचिव संजीव शेट्टी को सौंपा था, जिससे शिंदे गुट नाराज़ हो गया था।

हालांकि अंततः मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस पद की जिम्मेदारी मंत्री प्रताप सरनाईक को सौंप दी है। यह नियुक्ति महाराष्ट्र सरकार द्वारा बनाए गए केंद्रीय अधिनियम के नियमों और आदेशों के अनुसार की गई है।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल (एसटी) की स्थापना वर्ष १९६० में हुई थी। एसटी महामंडल के पहले अध्यक्ष र. गो. सरैया थे। तब से लेकर अब तक कई महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों ने एसटी महामंडल के अध्यक्ष पद को सुशोभित किया है।

प्रताप सरनाईक एसटी महामंडल के २६वें अध्यक्ष होंगे।

डिग्री से बड़ा होता है ज्ञान, खुद बनाई पहचान

अनपढ़ लेकिन पीएचडी करने वाले कर रहे हैं शोध

दिल्ली संवाददाता

सोचिए... अगर आपने सिर्फ तीसरी कक्षा तक पढ़ाई की हो, लेकिन आपकी लिखी कविताएँ देश के बड़े-बड़े विद्वानों के लिए पीएचडी का विषय बन जाएं - ये किसी चमत्कार से कम नहीं लगता ना?

यह कहानी है ओडिशा के रहने वाले हलधर नाग की - जिन्हें लोग प्यार से 'लोक कवि रत्न' कहते हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया कि शिक्षा सिर्फ स्कूल या कॉलेज की किताबों तक सीमित नहीं होती, असली शिक्षा तो जिंदगी के अनुभवों से मिलती है।

हलधर नाग बचपन में ही अनाथ हो गए थे। घर की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। पढ़ाई सिर्फ तीसरी कक्षा तक ही हो सकी। लेकिन शब्दों से उनका रिश्ता बचपन से ही था। वे हर चीज में कविता ढूंढ लेते थे।

साल १९९० में उनकी पहली कविता अखबार में छपी। इसके बाद तो जैसे उनकी जिंदगी का रास्ता ही बदल गया। वे लगातार अपनी कोसली भाषा में कविताएँ लिखते रहे।

उनकी कविताएँ समाज की बातें करती हैं, प्रकृति की खूबसूरती दिखाती हैं, पौराणिक कथाओं को नया रंग देती हैं। उनकी भाषा साधारण थी, मगर शब्दों में गहराई थी।

उनकी अनूठी पहचान और भाषा प्रेम को देखते हुए साल २०१६ में उन्हें भारत सरकार की तरफ से 'पद्म श्री' पुरस्कार मिला।

आज उनकी कविताओं पर पाँच लोगों ने पीएचडी की है। वे कहते हैं - हर इंसान कवि है, बस उसे अपनी सोच को शब्दों में ढालने का हुनर आना चाहिए। हलधर नाग की कहानी हमें यह सिखाती है कि सच्चा ज्ञान किताबों में कम और जिंदगी के अनुभवों में ज्यादा छिपा होता है। उनकी जिंदगी यह संदेश देती है कि अगर हिम्मत हो तो इंसान किसी भी मुकाम तक पहुँच सकता है - चाहे उसके पास डिग्री हो या न हो, ज्ञान खुद रास्ता बना ही लेता है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

मुंबई में वक्फ संशोधन कानून के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की सलाह मशविरा बैठक आयोजित

वक्फ बचाओ आंदोलन को सफल बनाने के लिए मुंबई और उपनगरों की बड़ी बैठक

मुंबई । १० अप्रैल । संवाददाता

मुंबई के इस्लाम जिमखाना में गुरुवार १० अप्रैल को दोपहर ३ बजे ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की हिदायत के अनुसार वक्फ संशोधन कानून २०२५ के विरोध में बोर्ड द्वारा तैयार किए गए वक्फ बचाओ आंदोलन के रोडमैप के अमल के लिए मुंबई और आसपास के सभी प्रमुख मुस्लिम संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की एक अहम सलाह मशविरा बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जिम्मेदार शख्सियतों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए बोर्ड के महाराष्ट्र कन्वीनर मौलाना महमूद दरियाबादी ने कहा कि मौजूदा सरकार ने जिस अनुचित तरीके से वक्फ संशोधन कानून को पास किया है, उससे देशभर के मुसलमानों में बेचैनी और नाराज़गी है। इसे देखते हुए ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देशव्यापी स्तर पर इस कानून के विरोध के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया है।

उन्होंने कहा कि यह लड़ाई लंबी है। बोर्ड ने पहले चरण में ११ अप्रैल से ७ जुलाई तक आंदोलन की योजना बनाई है। इसके तहत ११ अप्रैल से १८ अप्रैल तक 'वक्फ बचाओ सप्ताह' मनाया जाएगा। इस सप्ताह में वक्फ के प्रति जनजागरूकता अभियान, काली पट्टी बांधना, धरना प्रदर्शन, प्रेस कॉन्फ्रेंस, अमन पसंद भाईचारे के साथ बातचीत, महिलाओं में जागरूकता जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

मौलाना महमूद दरियाबादी ने मुंबई और आसपास के सभी नागरिकों से अपील की कि वे बोर्ड पर भरोसा रखें और इस आंदोलन का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन को पूरी तरह शांतिपूर्ण और कानून का पालन करते हुए सफल बनाना है।

बैठक में मुंबई और उपनगरों के विभिन्न

क्षेत्रों के लिए अलग-अलग छोटी समितियां भी बनाई गईं। उन्हें निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अन्य सभी संगठनों और विचारधाराओं के लोगों को साथ लेकर बोर्ड की हिदायत के अनुसार काम करें और रिपोर्ट राज्य स्तरीय जिम्मेदारों को दें।

मौलाना दरियाबादी ने बताया कि ११ अप्रैल से १८ अप्रैल तक वक्फ संरक्षण सप्ताह मनाया जाएगा। इस सप्ताह के दौरान मस्जिदों और हॉलों में वक्फ जागरूकता पर भाषण दिए जाएंगे। जुमा के दिन काली पट्टी बांधी जाएगी। स्थानीय पुलिस और प्रशासन की अनुमति से छोटी-बड़ी बैठकें और धरने किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि बड़े शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएंगी, अन्य धर्मों के लोगों के साथ बातचीत कर उन्हें इस सच्चाई से अवगत कराया जाएगा। सोशल मीडिया और मुख्यधारा मीडिया के लिए भी टीमों का गठन किया गया है।

उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की महिला विंग भी सक्रिय है। बोर्ड की केंद्रीय कमेटी २२ अप्रैल को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम और ७ जुलाई को रामलीला मैदान दिल्ली में दो बड़े विरोध प्रदर्शन आयोजित कर रही है।

बैठक में शामिल विद्वानों और प्रतिनिधियों ने कहा कि यह एक लंबी जंग हो सकती है। इसमें पूरी सूझबूझ और होशियारी के साथ संघर्ष को आगे बढ़ाना होगा।

इस अवसर पर इमामों और खतीबों से अपील की गई कि वे जुमे के खुतबे में बोर्ड द्वारा जारी ११ बिंदुओं पर आधारित वक्फ बचाओ आंदोलन की जानकारी दें और जनता को बताएं कि सरकार की वक्फ संपत्ति पर गलत नज़र है।

बैठक में शामिल प्रमुख लोग -

मौलाना हलीमुल्लाह साहब (अध्यक्ष, जमीअत उलमा महाराष्ट्र), मौलाना इलियास फला ही (अध्यक्ष, जमात ए इस्लामी महाराष्ट्र), मौलाना ज़हीर अब्बास रिजवी (शिया आलिम), मौलाना अनीस अशर्फी (अध्यक्ष, रज़ा फाउंडेशन), यूसुफ इब्राहानी, सुहैल सुबेदार, निज़ामुद्दीन राईन, मुफ्ती हुदैफा कासमी, मौलाना बुरहानुद्दीन कासमी, मौलाना औसाफ फला ही, मुफ्ती अशफाक काज़ी, मौलाना ज़ाहिद कासमी, मुफ्ती अब्दुल बासित, मौलाना मोहम्मद सआद शाकिर शेख, अब्दुल मजीब,

बोर्ड के जिम्मेदारों में -

मुफ्ती सईदुर्रहमान फारूकी, फरीद शेख, सलीम मोटरवाला, हाफिज इकबाल चुना वाला, प्रोफेसर मुनिसा बुशरा आबिदी, इश्रत शहाबुद्दीन शेख।

महिला विंग की -

जकिया फरीद शेख, एडवोकेट होरिया पटेल।

इसके अलावा लगभग डेढ़ सौ उलमा, इमाम, विद्वान, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता इस बैठक में शामिल थे।

महाराष्ट्र राज्य की राज्यमंत्री तथा परभणी जिल्हे की पालकमंत्री सौ मेघना ताई साकोरे बोर्डीकर को जन्मदिन की बधाई देते बालाजी सांगळे

२६/११ मुंबई आतंकी हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा भारत पहुंचा, तिहाड़ जेल में किया जाएगा शिफ्ट

नई दिल्ली । १० अप्रैल २०२५

२००८ के २६/११ मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पण के बाद भारत लाया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने तहव्वुर राणा को अमेरिका से दिल्ली एक विशेष विमान के जरिए भारत लाया।

भारत पहुंचने के बाद तहव्वुर राणा की एक तस्वीर सामने आई है जिसमें वह पीछे से दिखाई दे रहा है। इस फोटो में उसके सफेद बाल और चॉकलेटी रंग के कपड़े साफ नजर आ रहे हैं।

पटियाला हाउस कोर्ट में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एनआईए की विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। किसी

भी अप्रिय घटना से बचने के लिए कोर्ट परिसर में सीआईएसएफ और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है।

तिहाड़ जेल में रखा जाएगा तहव्वुर राणा

तहव्वुर राणा को तिहाड़ जेल में रखा जाएगा। जेल प्रशासन ने उसे उच्च सुरक्षा वाले वार्ड में रखने की पूरी तैयारी कर ली है। राणा पर आरोप है कि उसने डेविड कोलमैन हेडली, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), हरकत-उल-जिहादी-इस्लामी (एचयूजीआई) और अन्य पाकिस्तानी आतंकियों की मदद से २००८ के मुंबई आतंकी हमले की साजिश रची थी।

दिल्ली की विशेष एनआईए अदालत में चलेगा केस

इस मामले की सुनवाई अब दिल्ली की विशेष एनआईए अदालत में की जाएगी। राणा को मुंबई नहीं ले जाया जाएगा। भारत की ओर से वरिष्ठ वकील दयान कृष्णन इस हाई-प्रोफाइल केस की पैरवी करेंगे। उनके साथ विशेष सरकारी वकील नरेंद्र मान कानूनी कार्रवाई का नेतृत्व करेंगे।

पाकिस्तान ने रिश्ते से किया इंकार

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद पाकिस्तान ने सफाई देते हुए कहा है कि उसका तहव्वुर राणा से कोई लेना-देना नहीं है। पाकिस्तान ने कहा कि राणा कनाडा का नागरिक है और उसने पिछले लगभग २० वर्षों से अपने पाकिस्तानी दस्तावेजों को अपडेट नहीं कराया है।

यशवंतराव चव्हाण पॉलिटेक्निक कॉलेज में ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन

बीड़ (संवाददाता)

मुस्लिम समाज में रमज़ान ईद को एक पवित्र और सबसे बड़ा त्योहार माना जाता है। इसी अवसर पर यशवंतराव चव्हाण पॉलिटेक्निक कॉलेज बीड़ में मुस्लिम समाज की प्रमुख हस्तियों और छात्रों द्वारा ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सभी के लिए शीरखुर्मा और नाश्ते की व्यवस्था की गई थी।

कार्यक्रम की शुरुआत में कॉलेज के प्राचार्य और स्टाफ ने सभी छात्रों व उपस्थित लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्राचार्य डॉक्टर बापूराव गहिनीनाथ राव मरलपल्ली ने कहा कि सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज में समय-समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

इस कार्यक्रम में कॉलेज के सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, नॉन-टीचिंग स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रोफेसर शेख एफ. जे., प्रोफेसर मोमिन आई. एल. और इमरान शेख के मार्गदर्शन में तैयार की गई थी।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कॉलेज के छात्रों ने मेहनत कर महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हजरत टिपू सुलतान के बारे मे सारंग डोंबे ने अपशब्द बोला कारवाई करने की मांग!

शहीद टिपू सुलतान ब्रिगेड ने किया! पोलीस स्टेशन मे गुन्हा दाखल

जिंतूर (एम एजाज जिंतूरकर)

टिपू सुलतान ब्रिगेड संघटना ने एस टी बसस्थानक मे डेपो मॅनेजर की परवानगी से भारत के प्रथम मिसाईल मॅन हजरत टिपू सुलतान (र अ) का फोटो चार पाच वर्ष पहले लगाया था! मगर सारंग डोंबे पाटील नामी माथेफिरू ने इन्स्टाग्रामपर हरामखोर टिपू सुलतान का फोटो निकाल के फेको ऐसा अपशब्द पोस्ट किया! ये माथेफिरू ने हजरत टिपू सुलतान र अ महापुरुष के बारे मे अपमानजनक शब्द का वापर कर के दो समाज मे तेढ निर्माण करणे की कोशिश की हैं! पोलीस प्रशासन शहर का वातावरण दुषित ना हो इस की दक्षता ले और हरामखोर सारंग डोंबे पर नविन कायदे नुसार कडक कारवाई करने की मांग टिपू सुलतान ब्रिगेड के अध्यक्ष मोहसीन खान ने एक जिंतूर पोलीस स्टेशन मे गुन्हा दाखल किया हैं!

गाजियाबाद की बेटी अमेरिका में चुनाव जीतकर लौटी देश

नवी दिल्लीः संवादाता

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले की रहने वाली बेटी ने अमेरिका में चुनाव जीतकर कमाल कर दिया है। चुनाव जीतने के बाद गाजियाबाद की बेटी अपने घर लौटी है। उसकी हर जगह चर्चा हो रही है।

अमेरिका में इन दिनों राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चर्चा खूब हो रही है। उनके साथ ही डूपेज काउंटी बोर्ड के चुनाव में गाजियाबाद की सबा हैदर ने अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में रिपब्लिकन पार्टी की पैटी गुस्टिन को ८,५०० वोटों के अंतर से हराकर शानदार जीत हासिल की। पिछली बार के चुनाव में वह केवल एक हजार वोट से हार गई थीं। चुनाव जीतने के बाद पहली बार सबा हैदर

गाजियाबाद के संजयनगर स्थित अपने आवास लौटी जहां उनका स्वागता किया गया।

सबा के पिता ने क्या कहा?

गाजियाबाद में रहने वाले सबा के पिता अली हैदर ने कहा कि आज मैं अपनी बेटी पर गर्व महसूस कर रहा हूं। मेरी बेटी इंटेलिजेंट है। सबके आशीर्वाद और अपनी मेहनत से वह आज यह मुकाम हासिल कर पाई है। मेरी बेटी ने शहर से ही बीएससी में टॉप किया और एएमयू से एमएससी में गोल्ड मेडल हासिल किया। उसके बाद मैंने अपनी बेटी की शादी कर दी और वह अपने पति के साथ अमेरिका चली गई। मेरा दामाद कंप्यूटर साइंस इंजीनियर है। राजनीति हमारे खून में है, उसको अमेरिका में मौका मिला तो उसने कर दिखाया। उसके दोस्तों ने उसे प्रेरित किया और उसने चुनाव जीत लिया।

गाजियाबाद की रहने वाली सबा हैदर ने अमेरिका के ड्यूपेज काउंटी में चुनाव जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। दो चुनावों में हार के बाद तीसरी बार में सबा को जीत हासिल हुई है. यह न सिर्फ सबा के लिए बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है।

जे.डी. शाह की ९ वर्षों से लगातार ठंडे पानी की प्याऊ सेवा सभी के लिए प्रेरणा-शिवराज पवार

गेवराई शहर में समाज सेवा की अनोखी मिसाल, गर्मी के मौसम में राहगीरों को राहत

गेवराई । प्रतिनिधि

गर्मी के इस तीव्र प्रकोप के चलते जब नागरिकों को पीने के पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है, ऐसे समय में बीड़ जिले के समाया सोशल फाउंडेशन की ओर से गेवराई शहर के शास्त्री चौक नगर परिषद के सामने जनता के लिए विशेष रूप से ठंडे पानी की प्याऊ सेवा शुरू की गई है।

यह सेवा बीते ९ वर्षों से वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता जे.डी. शाह द्वारा निस्वार्थ भाव से दी जा रही है। उनके इस सामाजिक कार्य की हर तरफ सराहना हो रही है। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिराव फुले व भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर

सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति के अध्यक्ष व युवा नेता शिवराज पवार ने कहा कि जे.डी. शाह की इस सेवा से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए और समाज के प्रति अपने कर्तव्य को निभाना चाहिए।

इस आदर्श प्याऊ सेवा का उद्घाटन युवा नेता शिवराज पवार के हाथों संपन्न हुआ। इस दौरान उन्होंने कहा कि पानी जीवन है और प्यासे को पानी पिलाना हमारी संस्कृति है। तपती गर्मी में यात्रा कर रहे राहगीर को अगर ठंडा पानी मिल जाए तो मन को शांति और राहत मिलती है।

गेवराई शहर के शास्त्री चौक क्षेत्र में बड़ी बाजार है, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, ग्रामीण नागरिक और मरीजों की आवाजाही अधिक रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए जे.डी. शाह ने अपने जय हिंद लेडीज वियर शोरूम के सामने अपने खर्चे से आरओ फिल्टर पानी की प्याऊ शुरू की है। यह प्याऊ सेवा १ अप्रैल से जनता के लिए शुरू की गई है।

गर्मी के दिनों में पानी की समस्या गंभीर होती है। रास्ते पर प्यासे व्यक्ति को प्याऊ दिखे तो वह तुरंत उसकी ओर दौड़ता है। प्याऊ पर चार घूंट ठंडा पानी पीकर उसे राहत और सुकून मिलता है।

इस अवसर पर पूर्व सभापति याहीयाखॉ पठान, वरिष्ठ समाजसेवी माणिक बागबान, जमील सर, शेख अब्दुल भाई, सादिक इनामदार, सय्यद यूनुस भाई शेख चुन्नु, मतिन कुरैशी, रईस आतार आदि मान्यवर उपस्थित थे।

जे.डी. शाह द्वारा रोजाना १० से २० जार ठंडा व शुद्ध आरओ फिल्टर पानी नागरिकों के लिए रखा जाएगा। १० अप्रैल से यह प्याऊ सेवा शुरू हो गई है, जो १० जून तक नागरिकों को निःशुल्क शुद्ध व ठंडा पानी उपलब्ध कराएगी। शिवराज पवार ने ज्यादा से ज्यादा नागरिकों से इस प्याऊ सेवा का लाभ उठाने की अपील की है।

यह प्याऊ सेवा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में शुरू की गई है, जिससे समाज सेवा की एक नई मिसाल कायम हुई है।

छोटी बच्चीने अपहरण की साजिश को किया नाकाम

आरोपी के हाथ में काटकर बचाई अपनी जान

कड़ा (संवाददाता)

माता-पिता के बाहर गांव जाने के कारण घर के आंगन में अकेली खेल रही एक सात साल की बच्ची का अपहरण करने की कोशिश गुरुवार सुबह करीब ११ बजे हुई। लेकिन इस बहादुर बच्ची ने अपहरणकर्ताओं के हाथ में जोर से काटकर खुद को उनके चंगुल से छुड़ा लिया। यह सनसनीखेज घटना आष्टी तालुका के अंभोरा गांव के वडाचे मळा शेतवस्ती इलाके में घटी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अंभोरा गांव के वडाचे मळा शेतवस्ती में रहने वाले ज्ञानेश्वर दत्तात्रय खाकाळ गुरुवार सुबह अपनी पत्नी के साथ किसी काम से अहिल्यानगर गए थे। घर पर उनकी सात वर्षीय बेटी अपनी दादी के साथ थी। सुबह करीब ११ बजे वह बच्ची घर के आंगन में खेल रही थी।

इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग वहां पहुंचे और बच्ची का अपहरण करने की कोशिश की। लेकिन बच्ची ने डरने के बजाय साहस दिखाते हुए एक आरोपी के हाथ में जोर से काट लिया और खुद को छुड़ाकर भाग गई। इसके बाद उसने यह पूरी घटना अपनी दादी को बताई।

दादी ने तुरंत आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। ग्रामीणों ने आरोपियों की तलाश शुरू की, लेकिन वे फरार हो गए।

इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस और ग्रामीणों ने बच्ची के साहस की सराहना की है। एक छोटी बच्ची ने जिस हिम्मत और सूझबूझ से अपहरणकर्ताओं से खुद को बचाया, उसकी हर ओर तारीफ हो रही है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com